विज्ञान-तकनीक प्रवाह

अंक 1, पृष्ठ 20 मई-जुलाई, 2022 www.himtu.ac.in

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय

गांव व डाकघर दड़ूही, जिला हमीरपुर-177001

श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश एवं कुलाधिपति हि.प्र.त.वि.

Rajendra Vishwanath Arlekar
Governor
Himachal Pradesh

सत्यमेव जयते

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

संदेश

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर अपनी त्रैमासिक समाचार पत्रिका "विज्ञान–तकनीक प्रवाह" का प्रकाशन करने जा रहा है।

पिछले 12 वर्षों में हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय राज्य के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का केंद्र बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों की गतिविधियों के प्रकाशन के लिए समाचार पत्रिका का प्रकाशन करना अच्छी पहल है, इससे तकनीकी विश्वविद्यालय की गतिविधियां, नवाचार की पहल और उपलब्धियां समाज के हर वर्ग तक पहुंचेगी। साथ ही, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में इस समाचार पत्रिका का योगदान भी मिलेगा, ऐसी मुझे उम्मीद है।

मैं विश्वविद्यालय को समाचार पत्रिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर

संदेश

प्रो. शशि कुमार धीमान
कुलपति
हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर पिछले 12 वर्षों से विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में राज्य के युवाओं को बेहतर तकनीकी शिक्षा देने का कार्य कर रहा है। पाठ्यक्रम केंद्रित गतिविधियों की उत्कृष्टता तो एक पक्ष है ही, विश्वविद्यालय परिसर में होने वाली पाठ्येतर गतिविधियों से भी विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। वर्तमान समय में तकनीकी विश्वविद्यालय में आठ स्नातकोत्तर और स्नातक पाठ्यक्रमों की कक्षाएं चल रही है, जिसके चलते विद्यार्थियों की गतिविधियों को गति मिली है। अब वर्ष भर संचालित होने वाले कार्यक्रमों में सभी विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की गतिविधियों के अलावा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन समय–समय पर किया जा रहा है। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जागरूकता अभियान में भी तकनीकी विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। ऐसी गतिविधियों के लिए तकनीकी विश्वविद्यालय त्रैमासिक समाचार पत्रिका "विज्ञान–तकनीक प्रवाह" प्रकाशित करने जा रहा है, जो एक सराहनीय पहल है। यह समाचार पत्रिका तकनीकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व कर्मचारियों की उपलब्धियों और गतिविधियों को प्रकाशित करने का उचित मंच बनेगी, ऐसी आशा है।

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय की समाचार पत्रिका की संपादकीय व प्रकाशन समूह के सदस्यों को बधाई एवं साधुवाद।

प्रो शशि कुमार धीमान

मार्गदर्शक मंडल

प्रो शशि कुमार धीमान

कुलपति

ई. अनुपम कुमार ठाकुर

कुलसचिव

प्रो राजेंद्र गुलेरिया

अधिष्ठाता शैक्षणिक

प्रो जयदेव

अधिष्ठाता योजना व विकास

संपादक मंडल

हरीश चन्द्र
संपादक

विद्यार्थी रिपोर्टर/उप संपादक

पुलकित गौतम
विभाग–एमबीए (पर्यटन), दूसरा सत्र

साक्षी चंदेल
विभाग–एमबीए (पर्यटन), दूसरा सत्र

मनु शर्मा
विभाग–एमएससी (भौतिक विज्ञान) दूसरा सत्र

दीपांशु
विभाग–एमसीए, दूसरा सत्र

मीनाक्षी
विभाग–एमबीए, दूसरा सत्र

अल्का जसवाल
विभाग–एमटेक, दूसरा सत्र

रोहित शर्मा
विभाग–बीएचएमसीटी, दूसरा सत्र

रंजू ठाकुर
विभाग–पीजी डिप्लोमा योग, दूसरा सत्र

प्रकाशक

कुलसचिव, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के लिए जनसंपर्क कार्यालय हि. प्र. तकनीकी विवि द्वारा प्रकाशित

तकनीकी विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2010, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2010 (2010 का अधिनियम संख्यांक 16) के तहत हुई। अधिनियम–2010 को एतद्द्वारा निरसन कर संशोधन करने के बाद हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 18–01–2015 को अनुमोदित हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय विधेयक, 2014 (2014 का विधेयक संख्यांक 13) के तहत कार्य कर रहा है।

कार्य प्रारंभः हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय ने सात जनवरी, 2011 से विधिवत रूप से कार्य करना प्रारंभ किया। उसके बाद विश्वविद्यालय ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामर्श से एक महत्वाकांक्षी विजन दस्तावेज विकसित किया। विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा यथा अनुमोदित विजन दस्तावेज और कार्यनीतिक योजना के तहत ही कार्य चल रहा है। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय का जिला हमीरपुर की दडूही पंचायत में स्थाई परिसर विकसित हो रहा है। तकनीकी विवि का एक प्रशासनिक भवन बन गया है, इसके अलावा शैक्षणिक भवन का कार्य अंतिम चरण में हैं। साथ में तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में स्नातकोत्तर व स्नातक स्तर के आठ कोर्सों की कक्षाएं चल रही है।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

उच्चतर शिक्षण संस्थाओं या अनुसंधान और वैज्ञानिक तथा तकनीकी संस्थाओं में स्तरों के समन्वय और निर्धारण हेतु ऐसी विधि, जैसी संसद द्वारा बनाई जाए, के अध्यधीन या ऐसे निदेशों, जैसे केंद्रीय सरकार द्वारा या की और से इस निमित्त समय–समय पर दिए जाएं के अध्यधीन, विश्वविद्यालय कि उद्देश्य निम्नलिखित होंगे–

- अध्यापन, अनुसंधान, प्रयोग या व्यावहारिक प्रशिक्षण द्वारा या ऐसे अन्य साधनों द्वारा, जैसे विश्वविद्यालय मानव जाति के जीवन की गुणवत्ता के उत्थान के लिए उचित समझे, विज्ञान , इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और पर्यावरण में ज्ञान को विकसित करना ;
- समाज की आवश्यकताओं और राष्ट्रीय विकास योजनाओं की पूर्ति के लिए समुचित प्रकार और गुणवत्ता वाली अपेक्षित कुशल जनशक्ति की पूर्ति करना ;
- शैक्षिक पूर्णता के विभिन्न स्तरों पर अध्यापन और प्रशिक्षण की पद्धतियां विकसित करना, ताकि विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में शिक्षा के उच्च स्तर स्थापित किए जाए ;
- विश्व के विभिन्न भागों में निरंतर बढ़ते वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक ज्ञान से लाभ उठाना तथा अनुसंधान, नवीनता, आविष्कार और उत्पाद विकास द्वारा ज्ञान के सीमाग्र में अभिवृद्धि करना;
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समाज और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार विश्वविद्यालय में अध्यापन, प्रशिक्षण और अनुसंधान को सुसंगत बनाने हेतु उद्योग के साथ निकट संबंध स्थापित करना ;
- विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को कार्यांवित करने के लिए आवश्यक, महाविद्यालयों, विद्यालयों, विभागों, अनुसंधान केंद्रों और अन्य संस्थाओं की स्थापना, अनुरक्षण तथा प्रबंध करना ;
- हिमाचल प्रदेश राज्य के भीतर और बाहर महाविद्यालयों या संस्थाओं को सहबद्ध करना या मान्यता देना ; और
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, ज्ञान प्रबंधन और उद्यमता विकास के लिए अग्रणी स्त्रोत केंद्र के रूप में कार्य करना।

प्रो शशि कुमार धीमान ने संभाला कुलपति का कार्यभार

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति का कार्यभार संभालने के बाद प्रो शशि कुमार धीमान ने प्रेसवार्ता में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके लिए तकनीकी विवि की ओर से गठित समिति की जल्द बैठक आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों को रोजगार आधारित शिक्षा देने पर बल दिया जाएगा, जिसके लिए पाठ्यक्रम तैयार करेंगे। कुलपति ने कहा कि तकनीकी विवि परिसर में शैक्षणिक वातावरण हो, इसके लिए कार्य योजना तैयार की जाएगी। शैक्षणिक भवन और ओपन एयर थियेटर का काम अंतिम चरण में है, जल्द ही इनका लोकार्पण किया जाएगा। तकनीकी विवि में चल रहे स्नातक व स्नातकोत्तर विषयों के लिए स्थाई प्राध्यापकों व कर्मचारियों के पदों को सृजित कर भरने को लेकर प्रदेश सरकार से जल्द वार्ता की जाएगी। प्रो धीमान ने कहा कि तकनीकी विवि की शैक्षणिक परिषद में मंजूर एक साल का पीजी डिप्लोमा इन परफोर्मिंग आर्ट (कला प्रदर्शन), पीजी डिप्लोमा इन मशीन लर्निंग एंड आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस, पीजी डिप्लोमा इन बिग डाटा, पीजी डिप्लोमा इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पीजी डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस के कोर्सों को भुरू करने पर भी जल्द निर्णय लिया जाएगा। साथ ही तकनीकी विवि से संबंधित कॉलेजों आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डाटा कंप्यूटिंग और कौशल व व्यावसायिक के कोर्सों को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया जाएगा।

विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर मिले, इसके लिए कैंपस प्लेसमेंट सहित विभिन्न कंपनियों के साथ एमओयू करके रोजगार सम्मेलन आयोजित करने पर फोकस रहेगा। कुलपति ने कहा कि तकनीकी विवि में एक और शैक्षणिक भवन का निर्माण करने, लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास, कुलपति आवास सहित अन्य आवासीय कॉलोनी, सीवरेज ट्रीमेंट प्लांट, कैंटीन, टक शॉप, पार्किंग आदि के प्रस्तावित निर्माण कार्यों को भी जल्द चरणवद्ध पूरा करना भी प्राथमिकता रहेगी। इससे पूर्व प्रो धीमान ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति का कार्यभार ने संभाला। तकनीकी विवि परिसर में कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर की अगुवाई में अधिकारियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने नए कुलपति का स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने तकनीकी विवि में चल रही गतिविधियों की फीडबैक ली। साथ ही कुलसचिव सहित अन्य अधिकारियों के साथ संवाद किया। इस मौके पर अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, उप कुलसचिव संजीवन मनकोटिया, सहायक कुलसचिव राजीव वर्मा, सुरेंद्र शर्मा, परियोजना अधिकारी अमित ठाकुर, संपदा अधिकारी धीरज कौंडल सहित सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना जरूरी: देवश्वेता

हर महिला को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना वर्तमान समय की जरूरत है। महिला को अपने बारे में निर्णय लेने की स्वतंत्रता के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए। अगर महिला आर्थिक रूप से मजबूत होगी, तो वह परिवार को भी आत्मनिर्भर कर सकती है। यह बात उपायुक्त हमीरपुर देवश्वेता बनिक ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में आयोजित कार्यशाला में कही। इससे पूर्व तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने उपायुक्त देवश्वेता बनिक का विवि परिसर में स्वागत किया। कुलपति ने उपायुक्त को एक फ्लावर प्लांट सप्रेम भेंट किया। तकनीकी विवि के एमसीए विभाग ने आत्मनिर्भर भारत की जरूरत–आत्मनिर्भर महिला विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में उपायुक्त हमीरपुर देवश्वेता बनिक मुख्यातिथि, जबकि नेताजी सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय हमीरपुर की प्राचार्य डॉ अंजू बत्ता सहगल ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। कार्यशाला की अध्यक्षता तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने की, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया विशेष रूप से मौजूद रहे। उपायुक्त ने कहा कि आत्मनिर्भर होने का मतलब सिर्फ नौकरी करना ही नहीं है। जिस भी काम को महिला अपने जीवन में करने का निर्णय लेती है, उस निर्णय को लेने में वह स्वतंत्र होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने महिलाओं को भावनात्मक आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ावा देने की बात कही। कार्यशाला में तकनीकी विवि के प्राध्यापक, महिला कर्मी व छात्राएं उपस्थित रही। कार्यशाला की मुख्यावक्ता डॉ अंजू बत्ता सहगल ने कहा कि महिलाओं को अपने सामाजिक दायरे में रहते हुए अपने को आत्मनिर्भर बनाना है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई कदम उठाए जा सकते हैं, जिससे घरेलू महिलाएं भी आर्थिक रूप से समृद्घ हों। महिलाओं के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय उत्पादों के उत्पादन के लिए लघु उद्योगों को विकसित करने के लिए वित्त सहायता और प्रशिक्षण का आयोजन होना चाहिए। साथ ही महिलाओं के लिए गैर सरकारी क्षेत्र में अंशकालिक नौकरियां देने की व्यवस्था करना समय की आवश्यकता है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर हो सकें।

कुलपति ने विद्यार्थियों से किया संवाद

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने कहा कि विवि परिसर में स्थापित पुस्तकालय को जल्द ही विद्यार्थियों के लिए अब सुबह आठ से शाम आठ बजे तक खोलने का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों से संबंधित पुस्तकें व सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी। वीरवार को विवि परिसर में कुलपति ने विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद किया।विद्यार्थियों ने कुलपति के समक्ष अपने–अपने विभाग की समस्याएं और मांगे रखी। कुलपति ने कहा कि विवि में जल्द ही प्लेसमेंट सेल गठित किया जाएगा। इसके अलावा छात्राओं के लिए गर्ल्ज कॉमन रूम की व्यवस्था की जाएगी। कुलपति ने विद्यार्थियों की यूनिवर्सिटी टेक फेस्ट को आयोजित करने की मांग को भी जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर भी उपस्थित रहे।

जल्द शुरू होगी बीटेक कंप्यूटर साईंस: तकनीकी शिक्षा मंत्री

तकनीकी शिक्षा व आईटी मंत्री डॉ रामलाल मारकण्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के परिसर में इसी शैक्षणिक सत्र से बीटेक कंप्यूटर साईंस की कक्षाएं शुरू की जाएगी। साथ ही तकनीकी विवि में एमटेक आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस, डाटा साईंस के विषय शुरू किया जाएगा, जिसके जल्द पाठ्यक्रम तैयार होगा। हमीरपुर में सोमवार को तकनीकी शिक्षा मंत्री व तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने संयुक्त प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि एमसीए के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में डाटा साइंस में जोड़ने की योजना है। जिससे विद्यार्थियों को बाजार की जरूरत के अनुरूप तैयार किया जाएगा। जल्द तकनीकी विवि परिसर में प्लेसमेंट और प्रशिक्षण सेल का गठन किया जाएगा, जिसके लिए स्थाई प्लेसमेंट ऑफिसर की नियुक्ति की जाएगी। तकनीकी शिक्षा ने कहा कि तकनीकी विवि का चौथा दीक्षांत समारोह जून–जुलाई माह में प्रस्तावित है। दीक्षांत समारोह को लेकर जल्द माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति से चर्चा कर तिथि तय की जाएगी। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि तकनीकी विवि परिसर में एक नया शैक्षणिक भवन का निर्माण प्रस्तावित है, जिसमें निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। नए शैक्षणिक भवन में लेक्चर थियेटर सहित अत्याधुनिक क्लास रूम तैयार किए जाएंगे। डॉ मारकण्डा ने कहा कि तकनीकी विवि परिसर में निर्माणाधीन शैक्षणिक भवन का जल्द लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा तकनीकी विवि परिसर में ओपन एयर थियेटर, टक शॉप्स का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जो जल्द विद्यार्थियों के लिए समर्पित किए जाएंगे। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि तकनीकी विवि में शिक्षकों की स्थाई नियुक्ति का मामला उनके ध्यान में है, जल्द ही मुख्यमंत्री से इस मामले को लेकर चर्चा की जाएगा। इसके अलावा गैर–शिक्षक वर्ग के नए पदों को भी सृजित किया जाएगा। जिससे तकनीकी विवि की गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकें।

सभी शिक्षण संस्थान नैक से करवाएं मूल्यांकनः कुलपति

सभी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) से मूल्यांकन कराने की पहल करनी चाहिए। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर हर शिक्षण संस्थान की एक बेहतर छवि बन सकें। सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान इस दिशा में डाटा तैयार कर नैक से मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह बात तकनीकी विवि हमीरपुर के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान की बुधवार राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी) के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक में कही।

बैठक में तकनीकी विवि से संबंधित निजी व सरकारी शिक्षण संस्थानों के निदेशकों/प्राचार्यों व अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कुलपति ने कहा कि हो सकता है नैक मूल्यांकन में पहले कुछ समय रैंकिंग में हमारे शिक्षण संस्थान न आएं, लेकिन तीन–चार साल बाद कुछ शिक्षण संस्थान नैक, एनआईआरएफ व एनबीए की बेहतर रैंकिंग पाने में सफल हो जाएंगे। कुलपति ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थान प्लेसमेंट, प्रशिक्षण और ऊष्मायन केंद्र स्थापित करें, जिसके लिए स्थाई प्लेसमेंट ऑफिसर की नियुक्ति करें। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारत की चेतना है, इसके क्रियान्वयन में सभी की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थान को आने वाले समय में मान्यता और रैंकिंग, प्लेसमेंट, प्रशिक्षण और ऊष्मायन केंद्र, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता ढांचा, बहु प्रवेश/निकास विकल्पों के साथ समग्र बहुविषयक शिक्षा, सीखने के पैरामीटर और क्रेडिट के अकादमिक बैंक जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करनी होगी। जिसके लिए जल्द कार्यशाला और सेमिनार का आयोजन किया जाएगा, ताकि उपरोक्त सभी विषयों को सही तरीके से क्रियान्वयन किया जा सकें। इस मौके पर तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता प्रो जयदेव भी उपस्थित रहे।

संस्कृति व संस्कार को जानने के लिए संस्कृत जरूरी: प्रो शशि कुमार

भारत की संस्कृति और संस्कारों को समझने के लिए पहले संस्कृत को समझाना पड़ेगा। संस्कृत को जाने बिना हम अपने देश की परंपराओं को नहीं जान सकते हैं। यह बात हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में आयोजित संस्कृत संभाषण शिविर के शुभारंभ पर कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने कही। तकनीकी विवि परिसर में वीरवार से दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आगाज हुआ। शिविर में तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान मुख्यातिथि रहे, जबकि नरेंद्र कुमार ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। कुलपति ने कहा कि ग्रंथों में हमारे पूर्वजों ने विज्ञान को संस्कृत में लिखा है, जिसे जानने के लिए संस्कृत को जानना जरूरी है, तभी हम आज के परपेक्ष में उस विज्ञान में दुनिया के सामने रख सकते हैं। उन्होंने कहा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इस बार पर बल दिया गया है, ताकि बच्चे को उसके मूल से जोड़ा जाए। आने वाले समय में अब मातृ भाषा में शिक्षा देने का प्राथमिकता दी जाएगी। जिससे विद्यार्थी अपने देश की संस्कृति और संस्कारों का जान सकें। कुलपति ने कहा कि संस्कृत को अपनी बोल–चाल की भाषा बनाने के लिए वर्तमान पीढ़ी को पहल करनी होगी, जिससे हम अपनी संस्कृति पर गर्व कर सकें। वहीं, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बलाहर, कांगड़ा के ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ प्रदीप कुमार ने पहले दिन संस्कृत संभाषण शिविर के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, सहायक कुलसचिव राजीव वर्मा, जिला भाषा अधिकारी हमीरपुर निक्कू राम सहित तकनीकी विवि के प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संस्कृत और विज्ञान में समन्वय बनाना समय की मांग: नरेंद्र

संस्कृत संभाषण शिविर के मुख्यवक्ता एवं संस्कृत भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री नरेद्र कुमार ने कहा कि देश के मूल तत्व को जानने के लिए संस्कृत को जानना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसी देश को विकसित बनाने में ज्ञान और विज्ञान महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार ज्ञान और विज्ञान को जानने के लिए संस्कृत आना जरूरी है। कई कारणों से पूर्व में भारत के लोगों से विज्ञान और संस्कृत को दूर रखा गया, जिसके कारण आज की परिस्थिति बनी है। आज विज्ञान और संस्कृत में समन्वय बनाने की जरूरत है, जिससे ज्ञान–विज्ञान की पंरपरा विकसित होगी और भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में दुनिया के पटल पर दिखेगा। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रंथों को आज के दौर में सिर्फ पूजा स्थल पर रखकर पूजा जाना है, जबकि ग्रंथों का पूजन करने की बजाए हमें प्रयोग करना होगा। ग्रंथों का अध्ययन करके ही हम उसमें लिखे संस्कार और विज्ञान को जान सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारती पूरे देश में संस्कृत के प्रचार–प्रसार के लिए अहम भूमिका निभा रही है। संस्कृत संभाषण शिविर भी इसकी एक कड़ी है।

योग को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा: कुलपति

हर व्यक्ति को योग के अभ्यास को दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि सभी स्वस्थ रह सकें। साथ ही योग विज्ञान के प्रचार–प्रसार में सभी को अहम भूमिका निभानी होगी। यह बात तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कही। तकनीकी विवि ने आयुष विभाग हमीरपुर के सहयोग से दड़ूही परिसर में योग दिवस का कार्यक्रम मनाया। कार्यक्रम में कुलपति ने बतौर मुख्यातिथि शिकरत की, जबकि कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति ने कहा कि भारत के लिए सौभाग्य की बात है कि पिछले आठ सालों में भारतीय संस्कृति और परंपरा को योग के माध्यम से पूरे विश्व में अलग पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम मानवता के लिए योग है, जिसके बारे में लोगों को जागरूक करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में तकनीकी विवि के विद्यार्थियों ने योगभ्यास का प्रदर्शन किया। उसके बाद कार्यक्रम में सभी लोगों ने योग दिवस के प्रोटोकॉल के तहत योग किया। इस मौके पर तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास डॉ जयदेव, सहायक कुलसचिव राजीव वर्मा, आयुष विभाग की डॉ प्रियंका, डॉ संजीव सहित तकनीकी विवि के प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक

शोध और विकास प्रकोष्ठ की स्थापना को स्वीकृति

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर इसी शैक्षणिक सत्र से एमटेक (साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और एमए योग की कक्षाएं शुरू करेगा। बुधवार को तकनीकी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद (एसी) की 29वीं बैठक कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उपरोक्त स्नातकोत्तर विषयों को इस सत्र से तकनीकी विवि परिसर में शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा तकनीकी विवि परिसर में शोध और विकास प्रकोष्ठ की भी स्थापना को शैक्षणिक परिषद से स्वीकृति मिली है। साथ ही तकनीकी विवि से संबंधित शिक्षण संस्थान भी अपने–अपने स्तर पर शोध और विकास प्रकोष्ठ की स्थापना कर सकते हैं। जिससे नए शोध कार्यों व नवाचार को बढ़ावा मिल सकें। एसी ने तकनीकी विवि व सभी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) से मूल्यांकन कराने के फैसले को भी मंजूरी दी। तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने शैक्षणिक परिषद के सदस्य सचिव होने के नाते कुलपति की अनुमति से बैठक का संचालन किया। बैठक में तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव, डॉ अश्वनी राणा, डॉ सिद्घार्थ चौहान, डॉ संदीप शर्मा, प्रो यशवंत गुप्ता, प्रो मोहित धीमान, प्रो हिमांशु मोगा, डॉ प्रवीण कुमार, प्रो पीपी शर्मा, प्रो एसपी गुलेरिया, डॉ विनय कुमार, एन राजू, राजुल अस्थाना, अरूण भारती, प्रो राकेश सहित कुल 16 सदस्य ऑफलाइन और तीन सदस्य ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। शैक्षणिक परिषद ने अगले सत्र से तकनीकी विवि में स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स व साइंसेस एजुकेशन के तहत नए स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को शुरू करने को स्वीकृति दी। जिसमें प्राकृतिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, जैविक विज्ञान, गणित व कंप्यूटिंग, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, आर्थिक विज्ञान, कानून और व्यवहार विज्ञान, रक्षा और सुरक्षा विज्ञान, सार्वजनिक नीति, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास, मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, शैक्षिक अध्ययन, भारतीय अध्ययन, दर्शन, सांख्यिकी और खेल आदि स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को शुरू करने की मंजूरी दी है। बीएससी (एचएमसीटी), बीएचएमसी, बीसीए, बीबीए में दाखिले के लिए अब जमा दो में 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे। आरक्षित श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए 40 प्रतिशत अंक आवश्यक होना जरूरी रहेगा। इससे पूर्व उपरोक्त विषयामें दाखिला लेने के लिए अनारक्षित वर्ग के लिए 50 प्रतिशत व आरक्षित वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता थी। वहीं, पीजी डिप्लोमा इन योग में किसी भी विषय में तीन साल की स्नातक डिग्री करने वाला दाखिला ले सकता है। पीजी डिप्लोमा इन योग में दाखिला के लिए 50 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता को खत्म करने का निर्णय लिया है। तकनीकी विवि ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन कर काम करने की योजना बनाई है। इस समझौता ज्ञापन के तहत तकनीकी विवि व संबंधित शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को ड्रोन प्रशिक्षण करवाने की योजना है। शैक्षणिक परिषद ने समझौता ज्ञापन पर काम करने को स्वीकृति दी।

संस्कृत भाषा का अध्ययन कर नए आविष्कार करें युवा: डॉ नंद कुमार

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन हुआ। समापन समारोह में तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख डॉ नंद कुमार मुख्यवक्ता रहे। समारोह की अध्यक्षता तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने की। मुख्यावक्ता ने कहा कि स्वतंत्रता का सच्चे मायनों में अर्थ है, स्व तंत्र अर्थात अपना तंत्र किंतु भारत में आज 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी हमारी मानसिकता गुलामी को ढो रही है। इसका कारण है हमारे भारत की शिक्षा व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिशों के भारत आगमन से पूर्व भारतवर्ष में लगभग डेढ़ लाख गुरुकुल थे। संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल पद्धति आधारित थी, किं अंग्रेजों द्वारा उस महान ज्ञान परंपरा को तहस नहस कर शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी भाषा कर दिया और भारतीयों की मानसिकता को गुलाम बनाने के लिए तथ्यहीन मिथक तर्क गड़े गए, उसी शिक्षा व्यवस्था से ही आज भी भारत की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित है। अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लोगों को भारत के मूल से जोड़ने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि भारत का युवा वर्ग संस्कृत भाषा का अध्ययन कर आधुनिक विज्ञान एवं भारतीय विज्ञान का समन्वय कर एक नई विज्ञान पद्धति का आविष्कार करें, जिससे भारत फिर विश्वगुरू बन सके। इस मौके पर अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव, संस्कृत संभाषण शिविर के शिक्षक डॉ प्रदीप कुमार सहित तकनीकी विवि के प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संस्कृत से पूरे विश्व में होगी भारतीय संस्कृति की पहचान: कुलपति

तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने कहा कि संस्कृत न केवल मात्र भाषा है अपितु सभी आधुनिक विषयों के मूल तत्त्व उसके सूत्ररूप में निहित्त है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति की पहचान संस्कृत भाषा से है। वर्तमान पीढ़ी को संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए आगे आना चाहिए, जिससे एक बार पुनः भारत की संस्कृति पूरे विश्व में विख्यात हो सकें। कुलपति ने संस्कृत संभाषण शिविर में भाग लेने वाले सदस्यों के अनुभव कथनों को सुनकर और लघु नाटक की प्रस्तुति देखकर उनकी प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि तकनीकी विवि ने राज्यपाल सचिवालय से आए निर्देश पर इस दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया है। आने वाले समय में तकनीकी विवि में ऐसे संभाषण शिविर का फिर से आयोजन करेगा। इससे पूर्व कुलपति ने शिविर में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

एमबीए के दो विद्यार्थियों की प्लेसमेंट, 20 समर ट्रेनिंग के लिए चयनित

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में शुक्रवार को ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से एमबीए के विद्यार्थियों के लिए कैंप का आयोजन किया। कैंप में ओसियाना टेक कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक हरीश चावला उपस्थित रहे। एमबीए अंतिम सत्र के दो विद्यार्थियों की कंपनी में प्लेसमेंट हुई है। जबकि दूसरे सत्र के 20 विद्यार्थियों को समर ट्रेनिंग के लिए चयनित किया। वहीं, जिन दो विद्यार्थियों की प्लेसमेंट हुई है, उन्हें जल्द की कंपनी की ओर से ऑफर लेटर दिया जाएगा। कंपनी प्लेसमेंट प्रक्रिया में चयनित आशीष शर्मा और आकृति सूद को 15 हजार रुपए प्रति माह मानदेय देगी। वहीं, समर ट्रेनिंग के लिए चयनित 20 में से टॉप दस विद्यार्थियों को कंपनी की ओर से आठ हजार रुपए स्टाइ फंड भी दिया जाएगा। इस मौके पर तकनीकी विवि की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर नेहा जसवाल, प्राध्यापक डॉ मनीष खन्ना, डॉ अमित शर्मा, देशराज शर्मा, यथार्थ वैद्य भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने भवन-निर्माण समिति की बैठक की अध्यक्षता

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर की भवन व निर्माण समिति की आठवीं बैठक कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान की अध्यक्षता में शनिवार को हुई। कुलपति ने तकनीकी विवि के शैक्षणिक भवन का निर्माण कार्य कर रहे केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को जुलाई माह में कार्य पूरा करने की हिदायत दी, ताकि शैक्षणिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया जा सके। इसके अलावा तकनीकी विवि परिसर में चल रहे ओपन एयर थियेटर, कैंटीन के निर्माण कार्यों को भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्यों को बरसात के तुरंत बाद तकनीकी विवि की सीवरेज लाइन के साथ जोड़ने की केंद्रीय लोनिवि ने हामी भरी है। भवन–निर्माण समिति के सदस्य सचिव एवं परियोजना अधिकारी अमित ठाकुर ने कुलपति की अनुमति के बाद बैठक का संचालन किया। समिति ने तकनीकी विवि में चल रहे निर्माण कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा व आगामी कार्यों पर योजना बनाई। बैठक के समिति के सदस्यों ने तकनीकी विवि में चल रहे निर्माण कार्यों को निरीक्षण भी किया। समिति की बैठक में तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर, अधिष्ठाता विकास एवं योजना प्रो जयदेव, वित्त अधिकारी विजय सोफरा, संपदा अधिकारी धीरज कौंडल, लोक निर्माण विभाग कांगड़ा के अधीक्षण अभियंता एनपीएस चौहान, अधीक्षण अभियंता हमीरपुर संजय सोनी, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग शिमला के अधिशाषी अभियंता रोहित जोरवाल, सागर घोरमोडे, सहायक अभियंता बलवीर सिंह उपस्थित रहे।

4393 अभ्यर्थियों ने दी तकनीकी विवि की प्रवेश परीक्षा

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर का कॉमन एंट्रेंस टेस्ट रविवार को 11 परीक्षा केंद्रों पर हुआ। तकनीकी विवि ने कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के लिए 5107 अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड जारी किए थे, जिसमें 4393 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। तकनीकी विवि ने प्रदेश के 10 परीक्षा केंद्रों के अलावा एक परीक्षा केंद्र चंडीगढ़ में बनाया था। तकनीकी विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो राजेंद्र गुलेरिया ने कहा कि तकनीकी विवि व संबंधित शिक्षण संस्थानों में बीटेक (डायरेक्ट एंट्री), बी फार्मेसी (एलोपैथी) (डायरेक्ट एंट्री), एमसीए, एमबीए, एमबीए (पर्यटन) में दाखिला लेने के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट शांतिपूर्ण ढंग से हुआ। कॉमन एंट्रेंस टेस्ट में 4393 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जल्द ही अब कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का परिणाम घोषित कर प्रवेश की अगली प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी। बता दें कि कोविड–19 के चलते पिछले दो साल से तकनीकी विवि की सामान्य प्रवेश परीक्षा नहीं हो पाई थी। इस बार तकनीकी विवि प्रशासन ने पूर्व की भांति प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर ही काउंसलिंग करने का निर्णय लिया है।

नियमित सेमेस्टर और री-अपीयर की परीक्षाएं शुरू

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर और संबंधित शिक्षण संस्थानों के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नियमित सेमेस्टर और री–अपीयर परीक्षाएं सोमवार से शुरू हुई। तकनीकी विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो राजेंद्र गुलेरिया ने कहा कि स्नातक पाठ्यक्रमों में बीटेक, बी फार्मेसी (एलोपैथी एंड आयुर्वेद), बी आर्क, बीसीए, बीबीए, बीएससी (एचएम एंड सीटी), बीएचएमसीटी, बी फार्मेसी प्रैक्टिस (ब्रिज कोर्स) और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एमबीए, एमबीए (पर्यटन), एमसीए, एमटेक, एम फार्मेसी, एमएससी भौतिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और पीजी डिप्लोमा योग के नियमित सत्र और रि–अपीयर की परीक्षाएं 18 जुलाई से शुरू हुई है, जो 26 अगस्त तक चलेगी।

कुलपति सहित 103 अधिकारियों, कर्मचारियों ने लगाई बूस्टर डोज

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के परिसर दड़ूही में स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को कोविड बूस्टर डोज टीकाकरण केंद्र लगाया। तकनीकी विवि के के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान, कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर सहित 103 अधिकारियों, कर्मचारियों ने कोविड बूस्टर डोज लगवाई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पीएचसी दड़ूही की सामूदायिक स्वास्थ्य अधिकारी निशा राणा और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुशीला ने सेवाएं दी।

प्लेसमेंट ड्राइव, 34 छात्र इंटर्नशीप के लिए चयनित

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए दूसरे और चौथे सेमेस्टर के छात्रों ने भाग लिया। मोहाली की निजी कंपनी ने एमबीए दूसरे सेमेस्टर के 22 छात्रों को इंटर्नशीप के लिए चयनित किया है। वहीं, चौथे सेमेस्टर के 13 छात्रों की स्क्रिनिंग टेस्ट और साक्षात्कार लिया, जिसका परिणाम अभी घोषित नहीं किया है। इंटर्नशीप के लिए दो छात्रों को दस–दस हजार रुपए स्टाइ फंड, 10 छात्रों को नौ–नौ हजार और दस छात्रों को आठ–आठ हजार रुपए स्टाइ फंड कंपनी की ओर से दिया जाएगा। जिन दो छात्रों को दस–दस हजार रुपए स्टाइ फंड मिलेगा, उन्हें कोई पंजीकरण फीस नहीं देनी होगी, जबकि अन्य बीस छात्रों को पंजीकरण फीस का भुगतान करना होगा। तकनीकी विवि की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर नेहा जसवाल ने कहा कि आने वाले समय में इस प्रकार के प्लेसमेंट ड्राइव कैंप आयोजित किया जाएगा, जिससे छात्रों को इंटर्नशीप व प्लेसमेंट के लिए बेहत्तर विकल्प मिल सकें। इस मौके पर कंपनी की ज्योति और शिवानी, एमबीए के प्राध्यापक डॉ मनीष खन्ना, डॉ अमित शर्मा, देशराज शर्मा, यथार्थ वैद्य उपस्थित रहे। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के परिसर में शनिवार को एमबीए पर्यटन के चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ग्लोबल ट्रिप हॉलिडे भर्ती एजेंसी की कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के बाद एमबीए पर्यटन के 10 और एमबीए के दो विद्यार्थियों को चयनित किया गया। चयनित विद्यार्थियों को प्रारंभ में 15 हजार रुपए प्रतिमाह वजीफा दिया जाएगा। इस मौके पर भर्ती एजेंसी के एमडी लाभ सिंह और पुष्पेंद्र सिंह ठाकुर सहित पर्यटन विभाग के प्राध्यापक अनिल कुमार उपस्थित रहे।

वित्त समिति की 21वीं बैठक

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर की वित्त समिति की 21वीं बैठक कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान की अध्यक्षता में शनिवार को हुई। वित्त समिति ने तकनीकी विवि में प्राध्यापकों के 32 और गैर शिक्षक वर्ग के 19 पदों का प्रस्ताव को पास कर जल्द तकनीकी शिक्षा विभाग को भेजने का फैसला लिया है, ताकि जल्द प्रदेश सरकार की मंजूरी के लिए यह प्रस्ताव भेजा जा सके। वित्त समिति की बैठक में प्रदेश सरकार के वित्त सचिव अक्षय सूद, सचिव तकनीकी शिक्षा अमिताभ अवस्थी, निदेशक तकनीकी शिक्षा विकेक चंदेल ऑनलाइन माध्यम से, जबकि तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार, वित्त अधिकारी विजय सोफरा मौके पर मौजूद रहे। वित्त अधिकारी ने कुलपति की अनुमति के बाद वित्त समिति की बैठक में प्रस्ताव रखे। समिति ने तकनीकी विवि में चल रहे स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रस्तावित सीटों को बढ़ाने की मंजूरी दी। जिसमें वर्तमान में चल रहे कोर्सों की सीटों को दो गुणा करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए इस शैक्षणिक सत्र में 10 लाख रुपए खर्च करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के साथ समझौता ज्ञापन के मुताबिक ट्रेनिंग प्रोग्राम पर आधा खर्च करने के प्रस्ताव को भी पास किया है। तकनीकी विवि से बीबीए और बीबीए के कोर्स को चलाने के लिए ली जाने वाली संबद्धता शुल्क (।ंपिसपजपवद थ्मम) को 50 हजार रुपए से 15 हजार रुपए करने का निर्णय लिया गया। विद्यार्थियों से ली जाने वाले समामेलित निधि को भी छात्र कल्याण पर खर्च करने को स्वीकृति दी गई। तकनीकी विवि की वित समिति ने विभिन्न अन्य प्रस्तावों पर भी गहनता से चर्चा करने के बाद स्वीकृति दी।

शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति, एनईपी को लागू करना प्राथमिकता : प्रो. शशि

धीमान ने संभाला तकनीकी विवि के कुलपति का कार्यभार

प्रो. शशि कुमार धीमान ने संभाला तकनीकी विवि के कुलपति का कार्यभार

शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति, एनईपी को प्रभावी ढंग से लागू करना प्राथमिकता

B.Tech Computer Science will be taught in HP univ from coming session: Technical edu min

All educational institutions should take initiative to get evaluation done by NAAC: Prof. Shashi Kumar Dhiman

PANKAJ BHARTIYA
HAMIRPUR, MAY 25

तकनीकी विवि में इसी सत्र से बीटेक कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करेंगे विद्यार्थी

सभी शिक्षण संस्थान नैक से मूल्यांकन करवाने की करें पहल: प्रो. शशि धीमान

- तकनीकी विवि में संबंधित शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से कुलपति की बैठक

एचपीटीयू के नए वीसी प्रो. शशि कुमार धीमान ने किया ज्वाइन

बोले; आउटसोर्स की बजाय रेगुलर टीचर्स पर होगा फोकस

हमीरपुर। प्रो. शशि कुमार धीमान ने हमीरपुर में स्थित हिमाचल तकनीकी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर के रूप में शुक्रवार को ज्वाइन कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने साफ कहा कि शिक्षकों की रेगुलर नियुक्तियों पर तवज्जो दी जाएगी। फीस स्ट्रक्चर के मामले को लेकर भी उन्होंने कहा कि कि ज्यादा जरूरी हुआ तो इसे फिर...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को बनाया जाएगा प्रभावी...

हमीरपुर : तकनीकी शिक्षा मंत्री डा. राम लाल मारकंडा का स्वागत करते कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान।

तकनीकी विवि में दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर के आगाज पर बोले कुलपति प्रो. शशि कुमार

संस्कृति व संस्कार को जानने के लिए संस्कृत जरूरी

संस्कृत और विज्ञान में समन्वय बनाना समय की मांग: नरेंद्र

संस्कृति व संस्कार को जानने के लिए संस्कृत जरूरी: प्रो शशि कुमार

तकनीकी विश्व विद्यालय में दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आगाज

संस्कृत और विज्ञान में समन्वय बनाना समय की मांग: नरेंद्र

तकनीकी विवि में इसी सत्र से शुरू होगी एमटेक व एमए योग की कक्षाएं

देवभूमि मिरर/हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर इसी शैक्षणिक सत्र से एमटेक (साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और एमए योग की कक्षाएं शुरू करेगा। बुधवार को तकनीकी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद (एसी) की 29वीं बैठक कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उपरोक्त स्नातकोत्तर विषयों को इस सत्र से तकनीकी विवि परिसर में शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा तकनीकी विवि परिसर में शोध और विकास प्रकोष्ठ की भी स्थापना को शैक्षणिक परिषद से स्वीकृति मिली है। साथ ही तकनीकी विवि से संबंधित शिक्षण संस्थान भी अपने-अपने स्तर पर शोध और विकास प्रकोष्ठ की स्थापना कर सकते हैं। जिससे नए शोध कार्यों व नवाचार को बढ़ावा मिल सके। एसी ने तकनीकी विवि व सभी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) से मूल्यांकन कराने के फैसले को भी मंजूरी दी। तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने शैक्षणिक परिषद के सदस्य सचिव होने के नाते कुलपति की अनुमति से बैठक का संचालन किया। बैठक में तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव, डॉ. अश्वनी राणा, डॉ. सिद्धार्थ चौहान, डॉ. संदीप शर्मा, प्रो यशवंत गुप्ता, प्रो मोहित धीमान, प्रो हिमांशु मोंगा, डॉ. प्रवीण कुमार, प्रो. पीपी शर्मा, प्रो एसपी गुलेरिया, डॉ. विनय कुमार, एन राजू, राजुल अस्थाना, अरुण भारती, प्रो. राकेश सहित कुल 16 सदस्य ऑफलाइन और तीन सदस्य ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

तकनीकी विविः इसी सत्र से शुरू होगी एमटैक और एमए योग कक्षाएं

- तकनीकी विवि परिसर में शोध और विकास प्रकोष्ठ की स्थापना को भी मिली स्वीकृति

दाखिले में छूट देने को स्वीकृति

विद्यार्थियों को होगा ड्रोन प्रशिक्षण

तकनीकी विवि : इसी सत्र से शुरू होगी एमटेक और एमए योग कक्षाएं

तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक में मिली मंजूरी

विवि परिसर में शोध और विकास प्रकोष्ठ की स्थापना को भी मिली स्वीकृति

बीएससी, बीसीए, बीबीए में दाखिले के लिए अब जमा दो में 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य

विद्यार्थियों को होगा ड्रोन प्रशिक्षण

एमटेक साइबर सुरक्षा व एमए योग की कक्षाएं इसी सत्र से

संस्कृत भाषा का अध्ययन कर नए आविष्कार करें युवा: डा. नंद कुमार

संस्कृत से पूरे विश्व में होगी भारतीय संस्कृति की पहचान: कुलपति

तकनीकी विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर के समापन पर बोले डॉ. नंद कुमार

संस्कृत भाषा का अध्ययन कर नए अविष्कार करें युवा

संस्कृत से भारतीय संस्कृति की पहचान: कुलपति

संस्कृत का अध्ययन कर नई पद्धति का अविष्कार करें युवा

तकनीकी विवि में 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का समापन

एमबीए के दो विद्यार्थियों की हुई प्लेसमेंट व 20 समर ट्रेनिंग के लिए हुए चयनित

दैवभूमि मिरर/हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में शुक्रवार को ट्रेनिंग एंड ... कंपनी की ओर से ऑफर लेटर दिया जाएगा। कंपनी प्लेसमेंट प्रक्रिया में चयनित आशीष शर्मा और आकृति सूद को 15 हजार रुपए प्रति माह स्टाइपेंड ...

10 केंद्रों में 4393 अभ्यर्थियों ने दी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा

सिटी रिपोर्टर | हमीरपुर

तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर का कॉमन एंट्रेंस टेस्ट देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी।

4393 ने दी प्रवेश परीक्षा

11 केंद्रों में प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय का कॉमन एंट्रेंस टेस्ट

गौतम महाविद्यालय हमीरपुर में तकनीकी विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देने के बाद आपस में चर्चा करतीं अभ्यर्थी। संवाद

कुलपति सहित 103 ने लगाई सतर्कता डोज

कोरोना को हराना है: तकनीकी विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान व कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर को सतर्कता डोज लगाते स्वास्थ्य विभाग की कर्मी● जागरण

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के परिसर दड़ूही में स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को कोविड सतर्कता डोज लगाने के लिए टीकाकरण शिविर लगाया गया। शिविर में कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान, कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर सहित 103 अधिकारियों, कर्मचारियों ने कोविड बूस्टर डोज लगवाई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पीएचसी दड़ूही की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी निशा राणा और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुशीला ने शिविर में सेवाएं दीं।

तकनीकी विवि की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

कार्यालय संवाददाता-हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने सामान्य प्रवेश परीक्षा (कॉमन एंट्रेंस टेस्ट) का परिणाम घोषित किया है। तकनीकी विवि की कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के लिए 5107 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 4387 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। तकनीकी विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र गुलेरिया ने कहा कि दस जुलाई को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसका परिणाम घोषित कर दिया है। अब प्रवेश परीक्षा की मैरिट के आधार पर काउंसलिंग की प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी। बीटेक की 50 प्रतिशत सीटें कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की मैरिट के आधार पर भरी जाएंगी, जबकि 50 प्रतिशत सीटें जेईई की मैरिट के आधार पर भरी जाएंगी। वहीं, बी फार्मेसी (एलोपैथी) (डायरेक्ट एंट्री), एमसीए, एमबीए, एमबीए (पर्यटन) में दाखिला कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की मैरिट के आधार पर होगा।

विषय	मार्क्स
बीटेक	205.5
बी फार्मेसी	196
बीटेक/बी फार्मेसी	145
एमबीए	113
एमबीए (पर्यटन)	124
एमसीए	107.5
एमबीए, एमबीए (पर्यटन)	53.5

तकनीकी विवि की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

4387 अभ्यर्थियों ने दिया था एचपीटीयू का कॉमन एंट्रेंस टेस्ट

विषय	कुल अंक	सबसे अधिक
बीटेक	300	205.5
बी फार्मेसी	300	196
बीटेक व बी फार्मेसी (एलई)	300	145
एमबीए	200	113
एमबीए (पर्यटन)	200	124
एमसीए	200	107.5
एमबीए व एमबीए (पर्यटन)	200	53.5

तकनीकी विवि में 8 तक बिना लेट फीस भरें परीक्षा फॉर्म

हिमाचल दस्तक | हमीरपुर

जुलाई में प्रस्तावित परीक्षाओं की समाप्ति तिथियां जारी

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने जुलाई में प्रस्तावित स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं की परीक्षा के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू की है। छात्र 8 जुलाई तक बिना लेट फीस के अपना परीक्षा फार्म ऑनलाइन भर सकते हैं। तकनीकी विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजेंद्र गुलेरिया ने कहा कि स्नातक पाठ्यक्रमों में बीटेक, बी फार्मेसी एलोपैथी एंड आयुर्वेद, बी आर्क, बीसीए, बीबीए, बीएससी (एचएम एंड सीटी), बीएमएस, बी फार्मेसी प्रैक्टिस (ब्रिज कोर्स) और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एमबीए, एमबीए (पर्यटन), एमसीए, एमटेक, एम फार्मेसी, एमएससी भौतिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और पीजी डिप्लोमा योग के नियमित सत्र और री-अपीयर की परीक्षाएं जुलाई में प्रस्तावित हैं। इसके विद्यार्थी तय तिथि तक बिना लेट फीस ऑनलाइन परीक्षा फार्म भर सकते हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षा के नियमित और री-अपीयर की परीक्षाएं 18 जुलाई से शुरू होंगी, जो 26 अगस्त को समाप्त होंगी।

कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के एडमिट कार्ड जारी

तकनीकी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड करें अभ्यर्थी

- 10 जुलाई को होगी परीक्षा
- प्रदेश भर के 10 केंद्रों में होगा एग्जाम, चंडीगढ़ में भी है एक सेंटर
- 5107 अभ्यर्थियों ने किया है आवेदन

तकनीकी विवि में प्लेसमैंट ड्राइव, 22 छात्र इंटर्नशिप के लिए चयनित

चयनित छात्रों के साथ कंपनी के पदाधिकारी व स्टाफ।

10 को होगी परीक्षा, 5,107 अभ्यर्थियों ने किया है आवेदन

हमीरपुर| हिमाचल प्रदेश टेक्निकल यूनिवर्सिटी हमीरपुर ने कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के लिए 5,107 अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी किए हैं। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट से अपना-अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। 10 जुलाई को प्रदेश के 10 परीक्षा केंद्रों पर कॉमन एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा एक परीक्षा केंद्र चंडीगढ़ में भी स्थापित किया है।

गौरतलब है कि कोविड के चलते पिछले दो साल से प्रवेश परीक्षा नहीं हो पाई थी। इस बार यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पूर्व की भांति प्रवेश परीक्षा की मैरिट के आधार पर ही काउंसलिंग करने का निर्णय लिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजेंद्र गुलेरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनिवर्सिटी व संबंधित शिक्षण संस्थानों में बी-टेक (डायरेक्ट एंट्री), बी- फार्मेसी (एलोपैथी) (डायरेक्ट एंट्री), एमसीए, एमबीए, एमबीए (पर्यटन) में दाखिला लेने के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया जा रहा है, जिसके लिए 5,107 आवेदन आए हैं। बी-टेक, बी-फार्मेसी व एमसीए का कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 10 जुलाई को सुबह के सत्र में 9:00 बजे से और एमबीए, एमबीए (पर्यटन) की शाम के सत्र में 2:00 बजे से शुरू होगा।

तकनीकी विवि में ग्रेड सुधारने का मौका

छात्र ऑफलाइन परीक्षा फॉर्म करवा सकते हैं जमा

मोहाली में इंटर्नशिप करेंगे 22 छात्र

तकनीकी विवि : अपनी श्रेणी या ग्रेड में सुधार कर सकते हैं विद्यार्थी

- बीटेक, बी फार्मेसी, एमबीए, एम फार्मेसी की डिग्री पूरी करने वाले विद्यार्थियों को मौका

एचपीटीयू के 22 छात्र इंटर्नशिप को सिलेक्ट

तकनीकी विश्वविद्यालय में सजी प्लेसमेंट ड्राइव, मोहाली की कंपनी ने किया चयन, छात्रों को मिलेगा स्टाइपेंड

तकनीकी विवि के विद्यार्थियों को श्रेणी सुधार का मौका, 3,000 लगेगी फीस

बीटेक, बी फार्मेसी, एम फार्मेसी और एमबीए के विद्यार्थियों को लाभ

तकनीकी विवि में आठ जुलाई तक बिना लेट फीस भरें परीक्षा फार्म

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय
HIMACHAL PRADESH TECHNICAL UNIVERSITY
(A STATE GOVERNMENT UNIVERSITY)

(ACADEMIC CALENDAR FOR THE ACADEMIC SESSION 2022-23)

ODD SEMESTER		
S. N	**Events**	**Date**
1	Vacations	08.08.2022 to 28.08.2022
2	Industrial Training of 4 weeks for B.Tech (6th Sem.)	10.8.2022 to 9.9.2022
3	Reporting Date for Faculty & Staff.	29.08.2022
4	Registration:	
	i. For Under- Graduate & Post Graduate classes	01.09.2022 to 08.09.2022
	ii. For B.Tech 7th Sem Students only	12.09.2022 to 15. 09.2022
5	Induction Programme (1 week) For 1st Year Students	01.09.2022 to 08.09.2022
6	Commencement of classes:	
	i. For Under- Graduate & Post Graduate classes	01.09.2022
	ii. For B.Tech 7th Sem Students only	12.09.2022
7	1st Periodical Examinations	17.10.2022 to 20.10.2022
8	Mid Semester Break	22.10.2022 to 27.10.2022
9	HPTU Youth Festival	10.11.2022 to 11.11.2022
10	2nd Periodical Examination	14.12.2022 to 17.12.2022
11	End of Classes Work	23.12.2022
12	Reporting of shortage of attendance cases and display of internal sessional awards	24.12.2022
13	End Semester Practical Examinations	26.12.2022 to 29.12.2022
14	Start of End Semester Theory Examinations	02.01.2023

NOTE:

1. All affiliating colleges shall follow the academic calendar strictly. The working shall be for six days i.e. Monday to Saturday except public holidays.

2. Academic Calendar is tentative and will depend upon the advisory and guidelines issued by different concerned authorities from time to time

Dean (Academic)